

Chapter: 1 to 5

विभाग १ - गद्य

प्र.१ परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए (गद्य)

प्र.१ हमदर्दी जताने वालों में वे लोग जरूर आएँगे, जिनकी हम सूरत भी नहीं देखना चाहते। हमारे शहर में एक कवि हैं, श्री लपकानंद जी। उनकी बेतुकी कविताओं से सारा शहर परेशान है। मैं अकसर उन्हें दूर से देखते ही भाग खड़ा होता हूँ। जानता हूँ, जब भी मिलेंगे दस-बीस कविताएँ पिलाए बिना नहीं छोड़ेंगे। एक दिन बगल में झोला दबाए आ पहुँचे। आते ही कहने लगे- “मैं तो पिछले चार-पाँच दिनों से कवि सम्मेलनों में अति व्यस्त था। सच कहता हूँ। कसम से, मैं आपके बारे में ही सोचता रहा। रातभर मुझे नींद नहीं आई और हाँ, रात को इसी संदर्भ में यह कविता बनाई...” यह कह झोले में से डायरी निकाली और लगे सुनाने-

“आसाम की राजधानी है शिलांग
मेरे दोस्त की टूट गई है टाँग
मोटरवाले, तेरी ही साइड थी राँग।”

कविता सुनाकर वे मुझे ऐसे देख रहे थे, मानो उनकी एक आँख पूछ रही हो- ‘कहो, कविता कैसी रही?’ और दूसरी आँख पूछ रही हो- ‘बोल, बेटा! अब भी मुझसे भागेगा?’ मैंने उन्हें जल्दी से चाय पिलाई और फिर कविताएँ सुनने का वादा कर बड़ी मुश्किल से उन्हें विदा किया।

अब मैं रोज ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि हे ईश्वर! अगर तुझे मेरी दूसरी टाँग भी तोड़नी हो तो जरूर तोड़ मगर कृपा कर उस जगह तोड़ना जहाँ मेरा कोई भी परिचित न हो, क्योंकि बड़े बेदर्द होते हैं ये हमदर्दी जताने वाले।

1 A1) ..

2

अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए:

एक कवि श्री लपकानंद की विशेषताएँ-	
(i)	(ii)
(iii)	(iv)

A2) ..

2

उचित जोड़िया मिलाइए:

'अ' गट	'ब' गट
(1) असम	राँना
(2) टूटी	कविताएं
(3) साइड	शिलांग
(4) बेतुकी	टांग

A3) ..

2

विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।

(i) करीबी × (ii) मुश्किल ×

परिच्छेद में प्रयुक्त अंग्रेजी के शब्द लिखिए।

(i) (ii)

A4) ..

2

स्वमत:

‘दुर्घटना से बचने के लिए क्या सावधानी लेनी चाहिए?’ वाक्य पर अपने विचार २५ से ३० शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

विभाग २ - पदय

पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए (पद्य)

प्र. २

प्र. २

किसी का हमने छीना नहीं, प्रकृति का रहा पालना यहीं
हमारी जन्मभूमि थी यहीं, कहीं से हम आए थे नहीं।.....

चरित थे पूत, भुजा में शक्ति, नम्रता रही सदा संपन्न
हृदय के गौरव में था गर्व, किसी को देख न सके विपन्न।

हमारे संचय में था दान, अतिथि थे सदा हमारे देव
वचन में सत्य, हृदय में तेज, प्रतिज्ञा में रहती थी टेव।

वही है रक्त, वही है देश, वही साहस है, वैसा ज्ञान
वही है शांति, वही है शक्ति, वही हम दिव्य आर्य संतान।

जिँएँ तो सदा इसी के लिए, यही अभिमान रहे यह हर्ष
निष्ठावर कर दें हम सर्वस्व, हमारा प्यारा भारतवर्ष।

1 A1) ..

2

उत्तर लिखिए।

वचन में	संचय में	भुजा में	प्रतिज्ञा में
↓	↓	↓	↓
.....

A2) ..

2

(i) गद्यांश से विलोम शब्द की जोड़ी ढूँढ़कर लिखिए।

..... ×

(ii) निम्नलिखित शब्दों के वचन पहचानकर लिखिए।

(a) भारत - (b) भुजाएँ -

A3) ..

2

स्वमत.

उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए।

विभाग ३ - भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्र.३ (1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए

(1)

उधर से कोतवाल की सवारी आई।

(2) 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए (कोई एक) :-

(1)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) सींचना
ii) लाँघना

(3) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :-

(2)

(1) कवि का आत्मा तृप्त हो गया।

(2) उसका पग पृथ्वी को स्पर्श नहीं करता।

(4) सुचना के अनुसार कालपरिर्तन किजिए

(2)

1) रामस्वरूप सकपकाते हैं। (सामान्य भविष्यकाल)

2) सरकार एक ही टैक्स लगाती है। (सामान्य भविष्यकाल)

प्र.
४

वृत्तांत लेखन -

(5)

युनियन हायस्कूल मुंबई में मनाए गए 'वृक्षारोपण समारोह' का 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए।
(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है)

